(iii) पी पी एल के पूंजी आधार के पुनर्गठन जो 31.3.1994 को किया गया था, के क्रम में योजना ऋणों के पुनर्भुगतान तथा 1997-98 के दौरान देयसो ब्याज को एक वर्ष के लिये आस्थगित कर दिया गया था। कंपनी ने पूंजी पुनर्गठन के माध्यम से और राहतों हेतु एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्रों की क्षमता उपयोगिता में बाधाओं पर काबू पाने के लिये भी एक स्कीम तैयार की गई है।

(iv) पी पी सी एल ने पूंजी पुनर्गठन करने और पाइराइट्स आधारित सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र को सल्फर पर आधारित संयंत्र में परिवर्तित करने हेतु स्कीमें तैयार की हैं ताकि इसकी आर्थिक लाभप्रदता में सुधार किया जा सके।

(v) सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के हानि उठा रहे उपक्रमों को बजटीय संसाधनों की सीमा के भीतर सहायता प्रदान कर रही है ताकि ये अपनी कार्यकारी पूंजी आवश्यकताओं तथा अत्यावश्यक पूंजी व्यय को पूरा करने में समर्थन हो सके। गत तीन वर्षों के दौरान इन उपक्रमों को दी गई बजटीय सहायता इस प्रकार है:—

(रु०/करोड़)

	1995-96	1996-97	1997-98
एच एफ सी	108.60	152.34	184.34
एफ सी आई	217.60	316.00	318.15
पी पी एल	16.00	—	15.00
पी पी सी एल	07.06	04.00	06.00
एम एफ एल	24.00	57.30	—

सरकारी उपक्रमों में उर्वरक के उत्पादन के लिये लक्ष्य

1050. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:**
श्री दिलीप सिंह जूदेव:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उर्वरक के उत्पादन में लगे सरकारी उपक्रमों में यूरिया तथा उर्वरकों की अन्य किस्मों के उत्पादन हेतु पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान क्या-क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये थे तथा वास्तविक उत्पादन कितना-कितना हुआ;

(ख) क्या उक्त वर्षों के दौरान इसके उत्पादन में कमी आई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान यूरिया उत्पादन में कमी के लिये उत्तरदायी कारकों का ब्यौरा क्या है तथा सरकारी विशेषज्ञों द्वारा किये गये आकलन का पूर्ण ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० ए० के० पटेल): (क) से (घ) **लक्ष्यों के संदर्भ में** केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा यूरिया के उत्पादन तथा अन्य उर्वरकों की समेकित सूचना संलग्न अनुपत्र में दी गई है। **[देखिये परिशिष्ट 184 अनुपत्र संख्या 35]**

नाइट्रोजन तथा फास्फेट पोषकों के रूप में, केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा उर्वरकों का कुल उत्पादन 1997-98 के दौरान 9.4% था जो 1995-96 की अपेक्षा अधिक था। समग्र रूप से, इन उपक्रमों द्वारा यूरिया के उत्पादन में उसी अवधि के दौरान 15.3% की वृद्धि दर्ज की गयी।

Plan for Revival of Smith Stanistreet Pharmaceuticals Limited (SSPL)

1051. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to refere to answers to Unstarred Questions 2128 and 1109 given in Rajya